जन संपर्क एवं मीडिया समन्वयक कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 28 अगस्त 2019

जामिया का मुफ्त शिक्षा की तरफ बड़ा क़दम: 'स्वयं ' के तहत पहला पीजी एमओओसी कोर्स शुरू

मीडिया कोर्स के लिए पहले से ही काफी मशहूर, जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने पोस्ट ग्रेजुएट स्तर पर अपना पहला ' मैसिव ओपन आॅनलाइन कोर्स ':एमओओसीः शुरू किया। मानव संसाधन विकास मंत्रालय की ''स्वयं'' योजना के तहत शुरू किए गए इस कोर्स का नाम हैः

मीडिया कंटेन्ट प्रोडक्शन आॅन मल्टिपल प्लेेटफाॅर्म। सबसे अहम बात है कि यह कोर्स मुफ्त उपलब्ध होगा।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग:यूजीसीः और जामिया द्वारा संयुक्त रूप से शुरू किया गया यह कोर्स 15 सप्ताह का होगा।

इच्छुक लोग, बेसिक ऐन्ड्राॅइड फोन या कंप्यूटर से स्वयं :एसडब्ल्यूएवाईएएमः एप के ज़रिए इस कोर्स के लिए अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। रजिस्ट्रेशन कराने की आखिरी तारीख़ 31 अगस्त, 2019 है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी:एनटीएः परीक्षा का आयोजन करेगी।

इसमें दाखिला लेने वाले, चाहे वे कितने ही दूर दराज़ के इलाक़ों में रहते हों, वीडियो लेक्चर, ई-टेक्स्ट, पढ़ने वाली सामग्री, अतिरिक्त अध्ययन सामग्री और साप्ताहिक क्विज़ के ज़रिए सर्वोत्म शिक्षकों से ज्ञान लाभ ले सकते हैं। इन सहूलियतों से उन्हें मीडिया स्टडीज़ कोर्स की नवीनम जानकारी मिलती रहेगी। इस कोर्स के पूरा होने पर छात्रों को अपने विश्वविद्यालय से 4 क्रेडिट प्वाइंट मिलेंगे।

यह पूर्ण रूपेण कोर्स है और क्लास रूम में शिक्षा लेने की सहूलियत से कहीं भी कम नहीं है। यह कोर्स करने वालों को भी वीडियो लेक्चर के साथ ही नियमित असाइन्मन्ट दिए जाएंगे और अध्ययन सामग्री भी मिलती रहेगी। इस कोर्स की सबसे अच्छी बात यह है कि ये मुफ्त है।

इस कोर्स के तहत स्क्रिप्ट राइटिंग, न्यूज़रूम प्रोडक्शन, आर्टिफ्शियल इंटेलिजेंस, वेब सीरीज़, एआर,

एमआर, वीआर आदि पर वीडियो लेक्चर उपलब्ध कराए जाएंगे। इस कोर्स को जामिया मिल्लिया इस्लामिया, आईआईएमसी और विभिन्न अन्य विश्वविद्यालयों तथा कॉलेजों के विशिष्ट अध्यापकों की टीम ने विकसित किया है।

जामिया की ए.जे.के. एमसीआरसी के वरिष्ठ अध्यापक और कोर्स के कोऑर्डिनेटर तथा प्रिसिंपल इंवेस्टिगेटर, डा. कृष्णा शंकर कुसुमा ने कहा, " यह कोर्स न सिर्फ मीडिया के छात्रों के लिए बल्कि, इस विषय में रूचि रखने वाले किसी के लिए भी बहुत उपयुक्त है।"

डा. कुसुमा को जामिया की ऑलनाइन शिक्षा शुरू करने का श्रेय जाता है। इस सिलसिले में, साल 2007 में सीईसी, एमएचआरडी की तरफ से शुरू किए गए पहले अंडरग्रेजुएट कोर्स, ऐडवरटाइजिंग एंड पब्लिक रिलेशन एंड इंट्रोडक्शन टू विजुअल मीडिया का उल्लेख किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि यह कोर्स, शिक्षा पाने की चाहत रखने वाले सभी लोगों के लिए एक वरदान साबित होगा और सबसे बड़ी बात यह है कि यह मुफ्त शिक्षा होगी।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया संयोजक